RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
नवम्बर
16
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

By Ankit Avasthi Sir

मणिपुर के 5 जिलों के 6 थानों में फिर से लागू हुआ AFSPA / AFSPA re-imposed in 6 police stations of 5 districts of Manipur

मणिपुर के 5 जिलों के 6 थानों में आर्म्ड फोर्सेस स्पेशल प्रोटेक्शन एक्ट (AFSPA) को फिर से लागू कर दिया गया है। यह निर्णय बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को देखते हुए लिया गया है।

मणिपुर में AFSPA से जुड़ी जानकारी:

- ✓ **प्रभाव का समय:** यह कानून 31 मार्च 2025 तक प्रभावी रहेगा।
- ✓ **आदेश जारी:** गृह मंत्रालय ने गुरुवार को AFSPA लागू करने का आदेश जारी किया।
- ✓ **लागू करने का कारण**: बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया गया।
- ✓ **अधिकार:** AFSPA लागू होने से सेना और अर्ध-सैनिक बल इन इलाकों में कभी भी किसी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले सकते हैं।
- ✓ **लागू क्षेत्र:** इम्फाल पश्चिम जिले का सेकमई और लमसांग, इम्फाल पूर्व जिले का लाम्लाई, जिरिबाम जिले का जिरिबाम, कांगपोकपी का लेइमाखोंग और बिष्णुपुर जिले का मोइरंग थाना शामिल है।

AFSPA लागू करने के कारण:

- **जिरीबाम में उग्रवादियों का हमला:** 11 नवंबर 2024 को उग्रवादियों ने सैनिकों की वर्दी में पुलिस थाने और सीआरपीएफ शिविर पर हमला किया।
- **सुरक्षाबलों की कार्रवाई में 11 संदिग्ध उग्रवादी मारे गए।**
- **नागरिकों का अपहरण:** 12 नवंबर को सशस्त्र आतंकवादियों ने महिलाओं और बच्चों सहित 6 नागरिकों का अपहरण कर लिया।
- **हिंसा और हताहत:** 7 नवंबर से शुरू हुई हिंसा में 14 लोग मारे गए, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल थीं।
- घटनाओं के कारण क्षेत्र में तनाव और अस्थिरता बढ़ गई।

AFSPA (सशस्त्र बल विशेष शक्तियाँ अधिनियम)

पृष्ठभूमि:

- ✓ AFSPA ब्रिटिश शासनकाल के समय बनाए गए एक कानून का पुनरावृत्ति है, जिसे "क्विट इंडिया आंदोलन" के दौरान विरोधों को दबाने के लिए लागू किया गया था।
- ✓ 1947 में चार अध्यादेशों के रूप में यह कानून जारी हुआ।
- ✓ 1948 में इन अध्यादेशों को एक अधिनियम में बदल दिया गया और 1958 में इसे वर्तमान रूप में संसद में पेश किया गया। उस समय गीता बाई पंत गृह मंत्री थे।
- ✓ इसे शुरू में "सशस्त्र बल (आसाम और मणिपुर) विशेष शक्तियाँ अधिनियम, 1958" के रूप में जाना जाता था।
- ✓ जब अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, और नागालैंड राज्य बने, तो इस अधिनियम को इन राज्यों में भी लागू किया गया।

अधिनियम के बारे में:

- AFSPA सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को "द्वारित क्षेत्रों" (disturbed areas) में पूरी ताकत के साथ काम करने की अनुमति देता है।
- इसके तहत, किसी भी व्यक्ति को कानून का उल्लंघन करते हुए मारा जा सकता है, और बिना वारंट के किसी भी स्थान पर छापेमारी और गिरफ्तारी की जा सकती है।
- इसके अलावा, सेना और पुलिस बल को अभियोजन और कानूनी मुकदमों से सुरक्षा प्राप्त होती है।
- यह कानून पहली बार 1958 में नागा विद्रोह को नियंत्रित करने के लिए लागू किया गया था।
- 1972 में इस अधिनियम में संशोधन किया गया और क्षेत्र को "विवादित" घोषित करने का अधिकार केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार दोनों को मिला।
- त्रिपुरा ने 2015 में AFSPA को रद्द कर दिया, और मेघालय को 27 वर्षों तक AFSPA के तहत रखा गया, जिसे 1 अप्रैल 2018 से गृह मंत्रालय ने रद्द कर दिया।

मणिपुर के बारे में संक्षिप्त जानकारी

- मणिपुर भारत के पूर्वोत्तर में स्थित एक राज्य है, जो '7 सिस्टर्स' के नाम से प्रसिद्ध राज्यों में शामिल है।
- इसकी सीमा म्यांमार से लगती है और यहाँ अनुमानित 33 लाख लोग रहते हैं।
- यहाँ प्रमुख समुदाय मैतेई (घाटी क्षेत्र में निवास) और अल्पसंख्यक कुकी व नगा (पहाड़ी क्षेत्र में निवास) हैं।

मणिपुर में लड़ाई का कारण

मणिपुर में मई 2024 में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच हिंसक झड़पें शुरू हुईं। मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

1. **शेड्यूल ट्राइब (ST) दर्जे की मांग:** मैतेई समुदाय की मांग है कि उन्हें भी कुकी समुदाय की तरह शेड्यूल ट्राइब का दर्जा मिले। इससे उन्हें सरकारी योजनाओं और आरक्षण का लाभ मिलेगा।
2. **कुकी समुदाय का विरोध:** कुकी समुदाय का मानना है कि मैतेई को ST दर्जा मिलने से उनका प्रभाव बढ़ेगा, जिससे घाटी क्षेत्र के मैतेई लोग पहाड़ी क्षेत्रों में जमीन खरीद सकेंगे और बस सकेंगे, जिससे कुकी जनजातियों के पारंपरिक क्षेत्र पर असर पड़ेगा।
3. **नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान:** कुकी समुदाय का कहना है कि मैतेई सरकार द्वारा छेड़ा गया नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान उनके समुदाय को निशाना बनाने का एक बहाना है।

कुकी और मैतेई समुदाय

1. मैतेई समुदाय

- ✓ **स्थान और इतिहास**: मैतेई समुदाय की जड़ें मणिपुर, म्यांमार, और आसपास के क्षेत्रों में फैली हुई हैं।
- ✓ **धर्म**: मैतेई समुदाय में अधिकांश लोग हिंदू हैं, लेकिन कुछ लोग सनमही धर्म का पालन करते हैं, जो मणिपुर का पारंपरिक धर्म है।
- ✓ **स्थान**: ये लोग ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं, जो मणिपुर का मुख्य क्षेत्र है।

2. कुकी समुदाय

- ✓ **स्थान और इतिहास**: कुकी समुदाय भी भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में फैला हुआ है, और इनके कुछ लोग अपनी जड़ें म्यांमार में भी खोजते हैं।
- ✓ **धर्म**: कुकी समुदाय में अधिकांश लोग ईसाई हैं।
- ✓ **स्थान**: कुकी समुदाय के लोग मणिपुर की पहाड़ी क्षेत्रों और उससे जुड़े अन्य क्षेत्रों में निवास करते हैं।

बांधवगढ़ में 10 हाथियों की मौत के मामले में एनजीटी ने मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया / NGT issued notice to Madhya Pradesh and Central government in the case of death of 10 elephants in Bandhavgarh.

हाल ही में, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 10 हाथियों की रहस्यमयी मौतों के मामले में गंभीरता से हस्तक्षेप किया है। माना जा रहा है कि इन मौतों के पीछे दूषित कोदो बाजरा का जहर है, जिससे इस क्षेत्र के वन्यजीवों और पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएँ उत्पन्न हो गई हैं।

बांधवगढ़ में 10 हाथियों की मौत पर NGT का नोटिस

- **स्वत: संज्ञान:** एनजीटी ने खबरों पर स्वतः संज्ञान लिया।
- **नोटिस जारी:** मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार को नोटिस भेजा।
- **अधिनियमों का उल्लंघन**: वन संरक्षण और पर्यावरण अधिनियम के उल्लंघन के संकेत।
- **हलफनामा**: दिसंबर के दूसरे सप्ताह तक राज्य और केंद्र सरकार को हलफनामा दायर करने का निर्देश।
- **विशेषज्ञ बेंच:** आदेश एनजीटी के अध्यक्ष व अन्य सदस्यों ने पारित किया।
- **मामला स्थानांतरित**: केस भोपाल स्थित सेंट्रल ज़ोन बेंच को भेजा गया।
- **मौत का कारण**: दूषित कोदो बाजरा का जहर संभावित कारण।
- **नमूनों की जांच**: सैंपल्स को फॉरेंसिक लैब भेजा गया।
- **अगली सुनवाई**: 23 दिसंबर 2024 को होगी।

मध्य प्रदेश में हाथियों की मौत की घटनाक्रम:

मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में हाल ही में 10 हाथियों की मौत हुई। यह घटना एक सप्ताह पहले सामने आई थी, और अब तीन प्रयोगशालाओं से प्राप्त रिपोर्ट में इस मौत के कारण का खुलासा हुआ है।

हाथियों की मौत का कारण

- ✓ **रिपोर्ट के अनुसार**, हाथियों की मौत की वजह ज़्यादा मात्रा में फंगस लगी कोदो फसल को खाना है।
- ✓ इससे पहले, यह घटना सभी के लिए एक रहस्य बनी हुई थी, लेकिन अब इसपर स्पष्टता आई है।

रिपोर्ट से मिली जानकारी

1. **स्टेट फॉरेंसिक लैब (सागर):** हाथियों के विसरा नमूनों में किसी अन्य धातु या कीटनाशक का पता नहीं चला।
2. **स्कूल ऑफ़ वाइल्ड लाइफ़ फ़ॉरेंसिक एंड हेल्थ**: रिपोर्ट में हर्पीज़ वायरस की पुष्टि नहीं हुई, और मौत का कारण विषाक्तता बताया गया।
3. **भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई):** यह रिपोर्ट बताती है कि हाथियों ने बड़ी मात्रा में ख़राब कोदो और बाजरा खाया, जिसमें माइक्रो टॉक्सिन साइक्लोपियाज़ोनिक एसिड था।

विषाक्तता का कारण:

विषाक्तता तब होती है जब किसी जीव के शरीर में ज़हरीले तत्व प्रवेश करते हैं, जैसे खाने, सूंघने, या शरीर की झिल्लियों के माध्यम से।

जांच के निष्कर्ष:

- ✓ वन विभाग ने एसआईटी का गठन किया और एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि **अत्यधिक कोदो के पौधे और अनाज खाने से यह घटना हुई।**
- ✓ मौसम परिवर्तन से फ़सल में सूक्ष्म जीवों का विकास हुआ, जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई।

फ़ंगस और कोदो (Fungus and Kodo):

- ✓ जबलपुर के डॉ. एबी श्रीवास्तव के अनुसार, यह मौत कोदो से नहीं, बल्कि उसमें **पैदा हुए फंगस** से हुई है।
- ✓ यह फंगस तब बढ़ता है जब **मौसम गर्म होता है और अचानक बारिश** होती है। तब फसल में यह फंगस लगता है।

आगामी कदम:

- ✓ रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि **क्षेत्र में निगरानी रखी जाए** और गांववासियों को ख़राब फ़सल के बारे में सूचित किया जाए।
- ✓ **केंद्रीय वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (WCCB)** भी जांच में शामिल है, लेकिन अभी तक कोई निष्कर्ष नहीं निकला है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (Bandhavgarh Tiger Reserve):

अवस्थिति (Location): बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में स्थित है, जो विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमाला के बीच स्थित है।

- **राष्ट्रीय उद्यान (National Park):** इसे 1968 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया।
- **टाइगर रिजर्व (Tiger Reserve):** 1993 में इसे टाइगर रिजर्व का दर्जा प्राप्त हुआ।
- **स्थलाकृति (Topography):** रिजर्व का परिदृश्य घाटियों, पहाड़ियों और मैदानों से मिलकर बना है।

वनस्पति (Flora): यहां मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन पाए जाते हैं। क्षेत्र की निचली ढलानों पर बांस के जंगल हैं और घास के विस्तृत मैदान भी हैं। प्रमुख वनस्पतियों में शामिल हैं- साज, धौरा, तेंदू, अर्जुन, आंवला , पलास

जीव-जंतु (Fauna): बांधवगढ़ बाघों के उच्च घनत्व के लिए प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त, यहां अन्य स्तनधारी जैसे तेंदुआ, जंगली कुत्ता, भेड़िया, सियार, चीतल, सांभर, बार्किंग डियर, नीलगाय, चिंकारा, जंगली सुअर, और चौसिंघा पाए जाते हैं।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) का परिचय

स्थापना (Establishment):

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) की **स्थापना राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010** के तहत की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, वन और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा से संबंधित मामलों का प्रभावी और शीघ्र निपटारा करना है।

मुख्यालय (Headquarters):

NGT का **मुख्यालय नई दिल्ली** में है, और इसके चार अन्य क्षेत्रीय बेंच भोपाल, पुणे, कोलकाता, और चेन्नई में स्थित हैं।

गाइडेड पिनाक वेपन सिस्टम का सफल परीक्षण / Successful test of Guided Pinaka Weapon System

भारत ने हाल ही में **गाइडेड पिनाक वेपन सिस्टम का सफल परीक्षण किया है, जो** एक स्वदेशी तकनीक पर आधारित है और रक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

मुख्य बिंदु:

- ✓ भारत ने गाइडेड पिनाक वेपन सिस्टम का सफल परीक्षण किया, जो स्वदेशी तकनीक पर आधारित है।
- ✓ यह परीक्षण रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा किया गया।
- ✓ सिस्टम की मारक क्षमता, सटीकता और कई लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता का परीक्षण किया गया।
- ✓ यह सिस्टम 44 सेकंड में 12 रॉकेट दाग सकता है, यानी हर 4 सेकंड में एक रॉकेट।
- ✓ परीक्षण तीन अलग-अलग जगहों पर किया गया, जिसमें कुल 24 रॉकेट दागे गए, जो अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेदने में कामयाब रहे।
- ✓ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने DRDO और सेना को बधाई दी और इसे सेना की ताकत बढ़ाने वाला कदम बताया।
- ✓ गाइडेड पिनाका सिस्टम DRDO के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया, और इसमें कई कंपनियों का योगदान रहा।
- ✓ DRDO के प्रमुख समीर वी. कामत ने इस सफलता पर खुशी जताई, और यह सिस्टम सेना में शामिल होने के लिए तैयार है।

पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम:

- ✓ **नामकरण**: पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का नाम भगवान शिव के धनुष 'पिनाक' के नाम पर रखा गया है।
- ✓ **निर्माण**: इसे DRDO के पुणे स्थित आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (ARDE) द्वारा विकसित किया गया है।
- ✓ **बैटरी संरचना:** एक बैटरी में छह लॉन्च वाहन होते हैं, जो लोडर सिस्टम, रडार, नेटवर्क आधारित सिस्टम और कमांड पोस्ट के साथ जुड़े होते हैं।
- ✓ **वर्जन**: इसके दो वर्जन हैं -
  a. मार्क I: इसकी रेंज 40 किलोमीटर है।
  b. मार्क II: इसकी रेंज 75 किलोमीटर है।
- ✓ **भविष्य की रेंज**: पिनाक रॉकेट्स की रेंज को 120-300 किलोमीटर तक बढ़ाने की योजना है।
- ✓ **विशेषता**: पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम में 214 मिलिमीटर के 12 रॉकेट होते हैं।
- ✓ **स्पीड**: इसकी स्पीड 5,757.70 किलोमीटर प्रतिघंटा है, यानी हर सेकेंड में 1.61 किलोमीटर की गति से हमला करता है।
- ✓ **परीक्षण**: 2023 में इसके 24 टेस्ट सफलतापूर्वक किए गए थे, जो इसकी क्षमता को साबित करते हैं।

पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम: ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और तुलना

1. **शुरुआत की आवश्यकता**: 1981 में भारतीय सेना को लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों की आवश्यकता महसूस हुई, जिसके बाद DRDO को 1986 में इस परियोजना के लिए 26 करोड़ रुपए आवंटित किए गए।
2. **सैन्य सफलता**: 1999 में कश्मीर युद्ध (कारगिल युद्ध) के दौरान पिनाक ने पाकिस्तान की सेना पर प्रभावी हमला किया और अपनी ताकत को सिद्ध किया।
3. **विशेष रेजिमेंट**: 2000 में पिनाक के लिए एक अलग रेजिमेंट बनाने की शुरुआत की गई, जिससे इसकी तैनाती और संचालन को और प्रभावी बनाया गया।
4. **नया वेरिएंट परीक्षण**: 19 अगस्त 2020 को पिनाक के नए वैरिएंट का पोखरण में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया, जो इसके विकास और क्षमता को दर्शाता है।
5. **अंतरराष्ट्रीय तुलना**: यूक्रेन युद्ध में रूस को पीछे धकेलने वाले कई आधुनिक हथियारों में से एक अमेरिकी हिमार्स मिसाइल है। हालांकि, पिनाक ने अपनी ऑपरेशनल रेंज और फायरिंग क्षमता में हिमार्स को पीछे छोड़ दिया है।
   - ऑपरेशनल रेंज: पिनाक की रेंज 800 किलोमीटर है, जबकि हिमार्स की रेंज 450 किलोमीटर है।
   - फायरिंग क्षमता: पिनाक एक बार में 12 रॉकेट दाग सकता है, जबकि हिमार्स केवल 6 रॉकेट फायर कर सकता है।

पिनाक:

- **मैक्ज़िमम लंबाई**: 23 फीट 7 इंच
- **डायमीटर यानी व्यास**: 8.4 इंच
- **वजन**: 280 किलो
- **स्पीड**: 5757.70 किलोमीटर/घंटा
- **वैरिएंट्स**: पिनाक एमके-1, पिनाक एमके-2
- **क्षमता**: 44 सेकेंड में 12 रॉकेट्स दागने की क्षमता
- **रेंज**: 7 किलोमीटर से लेकर 90 किलोमीटर तक

केंद्र सरकार ने वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से इनकार / Central government refuses to declare Wayanad landslide as national disaster

हाल ही में, केंद्र सरकार ने वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से इनकार कर दिया है। इस संबंध में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 10 नवंबर को केरल सरकार को एक पत्र लिखते हुए बताया कि SDRF और NDRF के मौजूदा दिशा-निर्देशों के तहत किसी भी आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

मुख्य बिंदु:

- ✓ केंद्र ने वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से इनकार किया है।
- ✓ गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 10 नवंबर को केरल सरकार को पत्र लिखा।
- ✓ पत्र में कहा गया कि SDRF-NDRF के मौजूदा दिशा-निर्देशों के तहत राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं है।
- ✓ अगस्त में **राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर** वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की थी।
- ✓ राहुल गांधी ने **7 अगस्त को लोकसभा में भी इसी तरह की मांग** की थी।
- ✓ वायनाड में 29 जुलाई को रात करीब 2 बजे और 4 बजे के बीच मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में लैंडस्लाइड हुए थे। इस लैंडस्लाइड में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

वायनाड हादसे को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग:

- वायनाड हादसे को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग प्रधानमंत्री मोदी के वायनाड दौरे से एक दिन पहले की गई थी।
- 9 अगस्त को केरल सरकार ने केंद्र से पुनर्वास और राहत-बचाव के काम के लिए 2,000 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद की मांग की।
- इसके साथ ही **केरल सरकार ने वायनाड त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित** करने की भी मांग की थी।

"नित्यानंद राय ने वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से इनकार किया:

- गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 10 नवंबर को पत्र लिखकर कहा कि SDRF-NDRF के मौजूदा दिशा-निर्देशों के तहत किसी भी आपदा को 'राष्ट्रीय आपदा' घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं है। अगस्त में, राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर वायनाड में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का अनुरोध किया था।

वायनाड में भूस्खलन (Landslide in Wayanad):

केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई 2024 को भारी भूस्खलन हुआ, जिसमें **200 से अधिक लोगों की जान** चली गई। यह भूस्खलन वायनाड के मेप्पाडी पंचायत के पुंजरीमट्टोम, मुंडक्कई, चूरलमाला और वेल्लारीमाला गांवों में हुआ था। भारी बारिश के कारण पहाड़ी ढह गई और नीचे के इलाके तबाह हो गए।

- **प्राकृतिक आपदा (Natural disaster):** वायनाड, जो प्राकृतिक दृष्टि से देश के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है, में यह भूस्खलन जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण हुआ। वैज्ञानिकों की एक वैश्विक टीम के अनुसार, भारी बारिश जलवायु परिवर्तन के कारण 10 प्रतिशत अधिक हुई थी।
- **वैज्ञानिक चेतावनी (Scientific warning):** भारत, स्वीडन, अमेरिका और ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि जलवायु के गर्म होने के साथ ऐसी घटनाएं बढ़ सकती हैं।
- **आर्थिक और सामाजिक प्रभाव (Economic and Social Impact):** इस घटना ने स्थानीय लोगों की जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित किया है, और पुनर्वास और राहत के लिए भारी आर्थिक मदद की आवश्यकता है।

भूस्खलन क्या है?

भूस्खलन एक प्राकृतिक घटना है जिसमें चट्टान, मिट्टी या मलबा ढलान से नीचे खिसकता है। यह गुरुत्वाकर्षण के कारण होता है, जब ढलान पर दबाव बढ़ता है और स्थिरता कम हो जाती है। भूस्खलन की घटनाएं बारिश, भूकंप, भूमि का कटाव और पर्यावरणीय कारकों के कारण होती हैं।

भूस्खलन के प्रकार:

1. **चट्टान गिरना**: खड़ी ढलानों से चट्टान का गिरना।
2. **स्लाइड**: मिट्टी या चट्टान के द्रव्यमान का लुढ़कना। इसे रोटेशनल, ट्रांसलेशनल, और मिश्रित स्लाइड में वर्गीकृत किया जाता है।
3. **प्रवाह**: मलबे, कीचड़ या मिट्टी का बहाव। मलबा प्रवाह, मड फ्लो और लहर इसके प्रमुख प्रकार हैं।
4. **जटिल भूस्खलन**: दो या दो से अधिक प्रकार के भूस्खलन का संयोजन।

भूस्खलन के कारण:

1. **वर्षा**: अधिक वर्षा से भूमि की स्थिरता कम होती है।
2. **ढलान और भूविज्ञान**: खड़ी ढलान और कमजोर चट्टान संरचनाएं भूस्खलन का कारण बनती हैं।
3. **भूकंप**: भूकंप से ढलान अस्थिर हो सकते हैं, जिससे भूस्खलन हो सकता है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार संविधान से 'सेक्युलर' और 'सोशलिजम' शब्द हटाने का प्रस्ताव / Bangladesh interim government proposes to remove the words 'secular' and 'socialism' from the constitution"

बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख, मुहम्मद युनुस, एक के बाद एक ऐसे फैसले ले रहे हैं, जो बांग्लादेश की स्थापना के समय की मूल भावना के खिलाफ प्रतीत हो रहे हैं।

• वर्तमान में यह संभावना जताई जा रही है कि **बांग्लादेश खुद को एक इस्लामिक मुल्क घोषित कर सकता है, जो उसकी धारा के बदलाव को दर्शाता है।**

• बांग्लादेश के शीर्ष कानून अधिकारी ने यह प्रस्ताव रखा है कि **देश के संविधान से 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवादी' शब्दों को हटा दिया जाए। इस बदलाव से बांग्लादेश की मूल पहचान पर असर पड़ सकता है।**

मुख्य बिंदु:

- ✓ बांग्लादेश की अंतरिम सरकार संविधान से **'सेक्युलर' और 'सोशलिजम'** शब्द हटाने का प्रस्ताव लाई है।
- ✓ अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असाज्जमान ने बुधवार को हाईकोर्ट में यह प्रस्ताव रखा।
- ✓ इसके अलावा, असाज्जमान ने संविधान से **आर्टिकल 7A को समाप्त करने की भी मांग की,** जो गैर-संवैधानिक सत्ता परिवर्तन पर मौत की सजा का प्रावधान करता है।
- ✓ अटॉर्नी जनरल ने **मुजीबुर्रहमान को राष्ट्रपिता का दर्जा देने वाले प्रावधान को हटाने की भी मांग की।**
- ✓ ढाका हाईकोर्ट में शेख हसीना की सरकार द्वारा **2011 में किए गए 15वें संविधान संशोधन की वैधता पर सुनवाई** हो रही थी।

संविधान संशोधन की वैधता को चुनौती:

1. संविधान संशोधन पर कोर्ट में रिट याचिका

बांग्लादेशी कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की गई है, जिसमें 2011 में तत्कालीन शेख हसीना सरकार द्वारा किए गए संविधान के 15वें संशोधन की वैधता को चुनौती दी गई है। इस संशोधन में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए थे, जैसे कि धर्मनिरपेक्षता की बहाली, चुनाव की निगरानी के लिए अंतरिम सरकार के सिस्टम को खत्म करना, और शेख मुजीबुर रहमान को राष्ट्रपिता का दर्जा देना।

2. शेख मुजीबुर रहमान का राजनीतिकरण

कोर्ट में यह दलील दी गई है कि शेख मुजीबुर रहमान बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम के नेता थे, लेकिन अवामी लीग पार्टी ने उनका राजनीतिकरण अपने हितों के लिए किया है।

3. कोर्ट द्वारा अंतरिम सरकार से जवाब की मांग

बांग्लादेश की हाई कोर्ट के दो जजों की पीठ ने इस मामले में अंतरिम सरकार से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। इस मामले की सुनवाई में 5 अगस्त को छात्रों के प्रदर्शन और हिंसा के दौरान बांग्लादेश में शेख हसीना की अवामी लीग सरकार का तख्तापलट हो गया था।

15वां संविधान संशोधन (2011)

1.धर्मनिरपेक्ष राज्य का दर्जा बहाल करना:

- 15वें संशोधन के तहत बांग्लादेश में धर्मनिरपेक्ष राज्य के सिद्धांत को फिर से बहाल किया गया।
- 1977 में जियाउर रहमान की सरकार द्वारा इसे हटाया गया था, और 1988 में बांग्लादेश को इस्लामिक राज्य घोषित किया गया था।
- 2010 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे गैर-संवैधानिक बताते हुए खारिज किया।
- शेख हसीना की सरकार ने 15वें संशोधन के जरिए इसे कानूनी रूप दिया।

2. कार्यवाहक सरकार में चुनाव कराने का नियम खत्म किया:

- 15वें संशोधन के माध्यम से चुनाव कराने के लिए कार्यवाहक सरकार बनाने के नियम को समाप्त कर दिया गया।
- इससे पहले चुनावों की निगरानी के लिए कार्यवाहक सरकार का प्रावधान था।

3. राष्ट्रपिता का दर्जा देना:

- इस संशोधन में मुजीबुर्रहमान को राष्ट्रपिता का दर्जा देने का प्रावधान भी शामिल किया गया।

4. गैर-संवैधानिक तरीकों से सत्ता हासिल करने पर मौत की सजा:

- गैर-संवैधानिक तरीकों से सत्ता हासिल करने पर मौत की सजा का प्रावधान जोड़ा गया।
- अटॉर्नी जनरल ने इस प्रावधान की आलोचना करते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक बदलावों को सीमित करता है और जनआक्रोश को नजरअंदाज करता है।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व मनाने को पाकिस्तान के लिए रवाना हुआ जत्था, 763 यात्रियों को ही मिला वीजा / A group left for Pakistan to celebrate the Prakash Parv of Guru Nanak Dev Ji, only 763 passengers got visa

श्री गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में 763 श्रद्धालुओं का जत्था जीरो विजिबिलिटी के बीच पाकिस्तान के लिए रवाना हुआ, जो 10 दिन बाद 23 नवंबर को भारत लौटेगा।

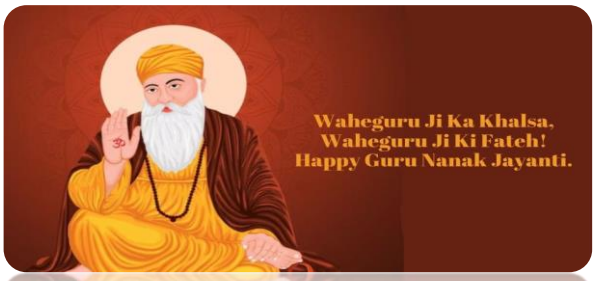

मुख्य बिंदु:

- **श्री गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश उत्सव पर जत्था रवाना**: श्रद्धालुओं का जत्था जीरो विजिबिलिटी के बीच पाकिस्तान के लिए रवाना हुआ। यह जत्था 10 दिन बाद 23 नवंबर को भारत लौटेगा।
- **763 श्रद्धालुओं को वीजा जारी**: शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा भेजे गए 763 श्रद्धालुओं को पाकिस्तान जाने के लिए वीजा प्राप्त हुआ है।
- **वीजा के मुद्दे:** 2244 तीर्थ यात्रियों के पासपोर्ट पाकिस्तान उच्चायोग को भेजे गए थे, जिनमें से 763 को वीजा मिला, जबकि 1481 तीर्थ यात्रियों को वीजा नहीं दिया गया, जिसे शिरोमणि कमेटी ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया।
- **जत्थे का नेतृत्व:** जत्थे का नेतृत्व शिरोमणि कमेटी के सदस्य गुरनाम सिंह करेंगे। जत्थे के उपनेता बीबी शरणजीत कौर, जनरल मैनेजर के तौर पर पलविंदर सिंह और गुरुमीत सिंह भी यात्रा पर जाएंगे।

गुरु नानक जयंती:

गुरु नानक देव जी की जयंती, सिख धर्म के पहले गुरु और संस्थापक गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षाओं को सम्मानित करने का अवसर है। यह पर्व हर साल कार्तिक पूर्णिमा को मनाया जाता है, जो अक्टूबर या नवम्बर में पड़ती है।

गुरु नानक देव जी का जीवन परिचय:

- ✓ गुरु नानक देव जी का जन्म 1469 में पंजाब के तलवंडी गाँव (जो अब पाकिस्तान में ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है) हुआ था।
- ✓ उनका जन्म रावी नदी के किनारे हुआ था और उनकी माता का नाम तृप्ता देवी और पिता का नाम मेहता कालू चंद था।
- ✓ गुरु नानक देव जी का जीवन दार्शनिक, योगी, समाज सुधारक, कवि और धार्मिक नेता के रूप में प्रकट हुआ।

गुरु नानक देव जी के सिद्धांत:

- गुरु नानक देव जी ने मानवता, समानता और भक्ति का संदेश दिया।
- उन्होंने अपने जीवन में जातिवाद, भेदभाव और अंधविश्वास के खिलाफ आवाज उठाई।
- "एक ओंकार" और "नमस्ते सत्गुरु ते" जैसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों के माध्यम से उन्होंने अद्वैत दर्शन और वेदांत की सच्चाई को बताया।

गुरु नानक देव जी की यात्रा और समाज सुधार:

- गुरु नानक देव जी ने 1507 में अपने परिवार को छोड़कर तीर्थयात्रा पर निकलने का निर्णय लिया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने समाज के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया और लोगों को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।
- उनके साथ यात्रा करने वाले चार प्रमुख साथियों में मरदाना, लहना, बाला और रामदास थे।

गुरु नानक देव जी का योगदान:

गुरु नानक देव जी ने:

1. समाज में समानता की स्थापना की।
2. जातिवाद और धार्मिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई।
3. सेवा, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया।
4. तीर्थ यात्रा और भक्ति के माध्यम से लोगों को सही मार्ग दिखाया।

गुरु नानक जयंती के उत्सव की विशेषताएँ:

- इस दिन गुरुद्वारों में भव्य समारोह आयोजित होते हैं।
- कीर्तन, अरदास, लंगर और विशेष पूजा अर्चना की जाती है।
- लोग गुरु नानक देव जी के आदर्शों को याद करते हैं और उनके शिक्षाओं का पालन करने का संकल्प लेते हैं।

गुरु नानक देव जी का संदेश:

- "मानवता और सेवा"
- "समानता और भाईचारे"
- "प्रेम और शांति"

बिरसा मुंडा जयंती / Birsa munda birth anniversary

15 नवम्बर को हर साल बिरसा मुंडा जयंती मनाई जाती है, इस बार 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है।

यह दिन सम्मानित जनजातीय नेता और स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के रूप में मनाया जाता है। भारत के प्रधानमंत्री ने बिरसा मुंडा की याद में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया, जो उनकी अमिट विरासत को सम्मानित करता है।

जातीय गौरव दिवस 2024 की मुख्य विशेषताएँ:

- **PM-JANMAN** (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान): प्रधानमंत्री ने इस अभियान के तहत 11,000 घरों का उद्घाटन किया।
- **स्वास्थ्य सेवा में सुधार**: दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच में सुधार के लिए 23 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (MMUs) शुरू की गईं।
- **DAJGUA** (धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान): इस अभियान के तहत 30 अतिरिक्त एमएमयू का उद्घाटन किया गया।
- **जनजातीय उद्यमिता और शिक्षा**: प्रधानमंत्री ने जनजातीय छात्रों के लिए 300 वन धन विकास केंद्र (VDVKs) और 10 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS) का उद्घाटन किया, साथ ही 25 नए EMRS की आधारशिला रखी।
- **सांस्कृतिक संरक्षण**: मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और जबलपुर में दो जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों का उद्घाटन किया गया जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर और सिक्किम के गंगटोक में दो जनजातीय अनुसंधान संस्थानों का उद्घाटन किया गया।
  - ✓ इस दिन का उद्देश्य जनजातीय समुदायों की संस्कृति, उनकी सामाजिक स्थिति और उनके योगदान को बढ़ावा देना और सम्मानित करना है।

जनजातीय गौरव दिवस:

जनजातीय गौरव दिवस **15 नवम्बर** को मनाया जाता है, जो स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय समाज के महान नेता बिरसा मुंडा की जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह दिन जनजातीय समुदायों के संघर्ष, संस्कृति और उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए समर्पित है।

बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन और जमींदारी प्रथा के खिलाफ संघर्ष किया और जनजातीय अधिकारों के लिए आवाज उठाई। उनके योगदान को याद करते हुए इस दिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है, ताकि जनजातीय समुदाय के महत्व को समझा जा सके और उनके संघर्ष को सम्मानित किया जा सके।

- जनजातीय गौरव दिवस **पहली बार वर्ष 2021** में मनाया गया, जो भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आज़ादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा था। यह दिवस आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को मान्यता देने के लिए स्थापित किया गया था।
- ✓ संथाल, तमाड़, भील, खासी, और मिज़ो जैसे जनजातीय समुदायों ने बिरसा मुंडा के उलगुलान (क्रांति) सहित कई उपनिवेश-विरोधी आंदोलनों का नेतृत्व किया।
- ✓ इन आंदोलनों में जनजातीय समुदायों ने अपार साहस और बलिदान का परिचय दिया, जो उनके संघर्ष की अमिट धरोहर है।

बिरसा मुंडा: एक महान स्वतंत्रता सेनानी

बिरसा मुंडा **(15 नवंबर 1875 - 9 जून 1900)** एक प्रमुख आदिवासी नेता और मुंडा जनजाति के महान नायक थे, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें 'धरती आबा' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ मुंडा विद्रोह का नेतृत्व किया और आदिवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।

प्रारंभिक जीवन:

- **जन्म**: 15 नवंबर 1875, उलिहातु, राँची जिला (अब झारखंड)।
- **माता-पिता**: सुगना मुंडा (पिता), करमी मुंडा (माँ)।
- **शिक्षा**: प्रारंभिक शिक्षा साल्गा गाँव और चाईबासा में हुई। मिशनरी स्कूल में पढ़ाई के दौरान बिरसा ने आदिवासियों की धार्मिक मान्यताओं पर आधारित विचारधारा अपनाई।

आदिवासी विद्रोह के नायक:

- 19वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों ने आदिवासियों की ज़मीन और संसाधनों पर कब्ज़ा करना शुरू किया।
- बिरसा मुंडा ने 1895 में आदिवासियों के हित में आंदोलन शुरू किया, जो एक संगठित विद्रोह 'उलगुलान' में बदल गया।
- उन्होंने आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और स्वायत्तता को बचाने के लिए संघर्ष किया।

आदिवासी पुनरुत्थान:

- ✓ बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को मिशनरी शिक्षा से बचने और अपने पारंपरिक धर्म एवं संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।
- ✓ आदिवासियों के बीच उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी उपायों, जैसे चेचक और हैजा से बचाव के उपाय सिखाए।

विद्रोह और संघर्ष:

- ✓ बिरसा मुंडा ने आदिवासी समुदाय को संगठित करके अंग्रेजों और मिशनरी के खिलाफ बड़ा विद्रोह शुरू किया।
- ✓ 3 मार्च 1900 को ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा उन्हें गिरफ्तार किया गया और 9 जून 1900 को राँची कारागार में उनकी रहस्यमय मृत्यु हो गई।
- ✓ कहा जाता है कि उन्हें ज़हर देकर मारा गया, क्योंकि अंग्रेजों को डर था कि वह छूटने पर बड़े विद्रोह का कारण बन सकते थे।

स्मृति और सम्मान:

- ✓ बिरसा मुंडा की **समाधि राँची** में स्थित है, और उनकी याद में कई स्मारक बनाए गए हैं।
- ✓ 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जयंती को **'जनजातीय गौरव दिवस'** के रूप में मनाया जाता है, जिसे भारत सरकार ने 2021 में घोषित किया था।

पीएम मोदी को मिलेगा डोमिनिका का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान / PM Modi will get Dominica's highest national honor

कैरेबियाई देश डोमिनिका ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह पुरस्कार कोविड-19 महामारी के दौरान डोमिनिका की मदद करने के लिए दिया जाएगा।

मुख्य बिंदु:

- **डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर**: डोमिनिका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोविड-19 महामारी के दौरान डोमिनिका की मदद करने के लिए अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' देने की घोषणा की है।
- **भारत द्वारा वैक्सीनेशन सहयोग**: भारत ने फरवरी 2021 में डोमिनिका को एस्ट्राजेनेका कोविड-19 वैक्सीन के 70 हजार डोज भेजे थे, जो न केवल डोमिनिका, बल्कि अन्य कैरेबियाई देशों के लिए भी सहायक साबित हुए।
- **सम्मान समारोह**: यह पुरस्कार डोमिनिका के राष्ट्रपति सिलवेनी बर्टन द्वारा गुयाना में होने वाली भारत-कैरिकॉम समिट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को प्रदान किया जाएगा।
- **अंतरराष्ट्रीय सम्मान**: प्रधानमंत्री मोदी को रूस ने भी इस साल 9 जुलाई को 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' सम्मान से नवाजा, जो भारत के पहले प्रधानमंत्री को मिला सर्वोच्च रूसी सम्मान है।
- **अब तक 13 देशों से सम्मान**: प्रधानमंत्री मोदी को अब तक 13 देशों से सर्वोच्च सम्मान मिल चुका है।

19 से 21 नवंबर के बीच मिलेगा सम्मान

- डोमिनिकन प्रधानमंत्री के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि डोमिनिका के राष्ट्रमंडल अध्यक्ष सिल्वेनी बर्टन 19 से 21 नवंबर तक गुयाना के जॉर्जटाउन में आयोजित होने वाले आगामी भारत-कैरीकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान यह पुरस्कार प्रदान करेंगे।

भारत ने भेजी थी एस्ट्राजेनेका वैक्सीन

- बयान में यह भी उल्लेख किया गया है कि फरवरी 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोमिनिका को एस्ट्राजेनेका कोविड-19 वैक्सीन की 70,000 खुराकें उपहार के रूप में दी थीं। यह उपहार डोमिनिका को अपने कैरेबियाई पड़ोसियों को मदद बढ़ाने में सक्षम बनाने वाला था।

भारत का डोमिनिका के लिए समर्थन

- यह पुरस्कार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डोमिनिका के लिए स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी में भारत के योगदान को मान्यता देगा। इसके अलावा, वैश्विक जलवायु लचीलापन और सतत विकास को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका को भी सराहा जाएगा।

प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट का बयान:

- ✓ यह पुरस्कार डोमिनिका और प्रधानमंत्री मोदी के बीच मजबूत साझेदारी और एकजुटता को दर्शाता है।
- ✓ पीएम मोदी डोमिनिका के लिए एक सच्चे साथी रहे हैं, खासकर वैश्विक स्वास्थ्य संकट के दौरान।

प्रधानमंत्री मोदी का संदेश:

- ✓ प्रधानमंत्री मोदी ने पुरस्कार की पेशकश स्वीकार करते हुए जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक संघर्ष जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने **डोमिनिका और कैरीबियन देशों** के साथ मिलकर इन मुद्दों के समाधान में भारत की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

डोमिनिका: परिचय

- ✓ **स्थान**: डोमिनिका उत्तर अमेरिका महाद्वीप के केरिबियन क्षेत्र में स्थित एक द्वीप देश है।
- ✓ **राजनीतिक स्थिति**: इसके राष्ट्रपति सिल्वेनी बर्टन और प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट हैं।
- ✓ **राजधानी**: डोमिनिका की राजधानी रोसियू है।
- ✓ **भौगोलिक विशेषताएँ**: यह द्वीप पूर्वी कैरेबियाई में स्थित है और लेसर एंटील्स का हिस्सा है। इसका भूभाग ज्वालामुखी और पहाड़ी है, जो इसे एक विशेष भू-आकृति प्रदान करता है।
- ✓ **जनसंख्या**: यहां की आबादी में नीग्रो, मल्टोज, कैरिब इंडियन और यूरोपीय जातियाँ सम्मिलित हैं।
- ✓ **इतिहास**: पहले यह ब्रिटेन का संरक्षित राज्य था। 1967 में इसे ब्रिटेन के सह-राज का दर्जा प्राप्त हुआ और 1978 में डोमिनिका ने पूर्ण स्वाधीनता प्राप्त की।

ट्रम्प ने तुलसी गबार्ड को नेशनल इंटेलिजेंस का चीफ बनाया / Trump appoints Tulsi Gabbard as Chief of National Intelligence

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी सरकार के अहम पदों पर नियुक्तियां करना शुरू कर दिया है। इनमें से एक महत्वपूर्ण नियुक्ति हिन्दू नेता **तुलसी गबार्ड को नेशनल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर** के पद पर किया गया है। यह नियुक्ति बुधवार को ट्रम्प और बाइडेन की मुलाकात के बाद की गई।

मुख्य बिंदु:

- **तुलसी गबार्ड की नियुक्ति**: ट्रम्प ने तुलसी गबार्ड को नेशनल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी है। वह अवरील हेन्स की जगह लेंगी।
- **तुलसी का राजनीतिक करियर**: तुलसी गबार्ड (43) अमेरिका की पहली हिन्दू सांसद रही हैं और उन्होंने 21 साल की उम्र में हवाई से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। वह 4 बार डेमोक्रेटिक पार्टी से सांसद रहीं।
- **रिपब्लिकन पार्टी में शामिल होना**: तुलसी पहले बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता थीं, लेकिन पिछले महीने उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी ज्वाइन की।
- **अन्य अहम नियुक्तियां**: ट्रम्प ने तुलसी गबार्ड के अलावा फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रूबियो को विदेश मंत्री और मैट गेट्ज को अटॉर्नी जनरल बनाया है।

तुलसी गबार्ड कौन हैं?

- ✓ **जन्म**: तुलसी गबार्ड का **जन्म 1981 में अमेरिकी समोआ में माइक गबार्ड और कैरल गबार्ड के घर हुआ**। वह गबार्ड दंपती की पांच संतानों में से एक हैं। जब तुलसी दो साल की थीं, तो उनका परिवार हवाई राज्य में आकर बस गया था।
- ✓ **धार्मिक परिवर्तन**: हवाई में आने के बाद उनकी **मां कैरल ने हिन्दू धर्म अपनाया, जबकि उनके पिता रोमन कैथोलिक ईसाई थे**। इस कारण ही उनके माता-पिता ने बच्चों के हिन्दू नाम रखे।
- ✓ **तुलसी का धर्म**: तुलसी खुद को हिन्दू मानती हैं, लेकिन वह भारतीय मूल की नहीं हैं।

पार्टी का इतिहास: तुलसी के पिता **पहले रिपब्लिकन पार्टी (2004-2007) से जुड़े थे, फिर 2007 में डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़ गए।**

राजनीतिक करियर:

- ✓ 2013 में तुलसी पहली बार हवाई राज्य से सांसद चुनी गईं और 2021 तक इस पद पर रहीं।
- ✓ उन्होंने बर्नी सैंडर्स के लिए 2016 में प्रचार किया और 2020 में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेट उम्मीदवार के रूप में अपनी दावेदारी पेश की।
- ✓ सैन्य सेवा: तुलसी गबार्ड दो दशकों से अधिक समय से आर्मी नेशनल गार्ड से जुड़ी हुई हैं और उन्होंने इराक़ और क़ुवैत जैसे देशों में सेवा दी है।
- ✓ सरकारी मुद्दे: तुलसी ने अपने कार्यकाल के दौरान सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य सेवा, मुफ़्त कॉलेज ट्यूशन और गन कंट्रोल जैसे उदारवादी मुद्दों का समर्थन किया।

डेमोक्रेटिक पार्टी से बाहर आना:

2021 में तुलसी ने सदन छोड़ने के बाद कुछ मुद्दों पर डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ रुख अपनाया।

- उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से ट्रंप का समर्थन करना शुरू किया।
- 2022 में, तुलसी ने डेमोक्रेटिक पार्टी को छोड़ दिया और खुलकर ट्रंप के समर्थन में आ गईं।
- रिपब्लिकन पार्टी में शामिल होना: 2024 में तुलसी ने रिपब्लिकन पार्टी जॉइन की।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव 2024:

गहन मुकाबले के बाद रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है। ट्रंप ने डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस को 312 इलेक्टोरल वोट्स के साथ हराया, जबकि कमला हैरिस 226 इलेक्टोरल वोट्स पर रहीं। ट्रंप की ऐतिहासिक जीत पर दुनियाभर के कई नेताओं ने उन्हें बधाई दी है।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत के मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक जीत: ट्रंप** ने 538 इलेक्टोरल वोट्स में से 312 वोट्स हासिल कर जीत दर्ज की।
- **स्विंग स्टेट्स में जीत**: ट्रंप ने जॉर्जिया और नॉर्थ कैरोलिना जैसे प्रमुख स्विंग स्टेट्स जीते। इसके अलावा, पेंसिल्वेनिया, एरिज़ोना, मिशिगन, विस्कॉन्सिन और नेवादा में भी बढ़त बनाई।
- **चुनाव प्रचार की चुनौतियां**: पूरे चुनाव अभियान के दौरान ट्रंप ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर सवाल उठाए, लेकिन व्हाइट हाउस वापस पाने को लेकर आत्मविश्वास व्यक्त किया।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया अन्य देशों से अलग है, खासकर इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम की वजह से।

- **प्राइमरी और कॉकस**: हर पार्टी अपने उम्मीदवार चुनने के लिए प्राइमरी चुनाव और कॉकस आयोजित करती है।
- **नेशनल कन्वेंशन**: यहां आधिकारिक रूप से पार्टी अपने राष्ट्रपति उम्मीदवार की घोषणा करती है।
- **चुनाव दिवस**: नागरिक अपने राज्य के इलेक्टर्स के लिए मतदान करते हैं, जो बाद में इलेक्टोरल कॉलेज में उनका प्रतिनिधित्व करते हैं।
- **इलेक्टोरल कॉलेज**: प्रत्येक राज्य के पास तय संख्या में इलेक्टर्स होते हैं। जीतने के लिए उम्मीदवार को 538 में से कम से कम 270 इलेक्टोरल वोट्स चाहिए।

राष्ट्रपति बनने की संवैधानिक शर्तें

अमेरिकी संविधान राष्ट्रपति बनने के लिए कुछ विशेष शर्तें तय करता है। ये शर्तें उम्मीदवार की नागरिकता, उम्र, और देश में निवास से जुड़ी होती हैं।

राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार को:

- ✓ अमेरिका का जन्मजात नागरिक (Natural-born Citizen) होना चाहिए।
- ✓ कम से कम 35 साल का होना चाहिए।
- ✓ अमेरिका में कम से कम 14 साल तक निवास किया होना चाहिए।

'सी विजिल-24' का चौथा संस्करण / 4th edition of Coastal Defence Exercise 'Sea

भारतीय नौसेना 20 और 21 नवंबर को अपनी राष्ट्रीय तटीय रक्षा अभ्यास **'सी विजिल-24'** का **चौथा संस्करण आयोजित करेगी।** इस वर्ष का यह अभ्यास अब तक का सबसे बड़ा होगा, जो भारत के विस्तृत तटीय क्षेत्र को कवर करेगा और **इसमें छह सरकारी मंत्रालयों और 21 संगठनों की भागीदारी होगी, जो अभूतपूर्व स्तर की साझेदारी को प्रदर्शित करेगा।**

- **कार्यक्रम**: सी विजिल-24, भारत का सबसे बड़ा तटीय रक्षा अभ्यास का चौथा संस्करण।
- **तारीखें:** 20-21 नवंबर, 2024।
- **परिसर**: यह अभ्यास भारत के पूरे तटीय क्षेत्र और विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) को कवर करेगा।
- **भागीदारी**: छह सरकारी मंत्रालयों, 21 संगठनों, और विभिन्न रक्षा एजेंसियों की भागीदारी होगी।

उद्देश्य

- ✓ भारत की तटीय सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत बनाना।
- ✓ महत्वपूर्ण तटीय बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करना और समुद्री खतरों को रोकना।

भागीदार संगठन

- ✓ इसमें **06 मंत्रालय और 21 संगठन/एजेंसियां** शामिल होंगी।
- ✓ राज्य समुद्री पुलिस, तटरक्षक, कस्टम्स, मत्स्य पालन और अन्य महत्वपूर्ण एजेंसियां सेना के साथ मिलकर अभ्यास में भाग लेंगी।

इतिहास

- 'सी विजिल' अभ्यास 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद तटीय सुरक्षा में सुधार हेतु 2018 में शुरू किया गया था।

अभ्यास का CDSRE चरण

- अक्टूबर 2024 से तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नौसेना अधिकारियों द्वारा तटीय रक्षा और सुरक्षा तत्परता मूल्यांकन (CDSRE) चरण संचालित किया जा रहा है।
- इसमें तटीय सुरक्षा ढांचे का ऑडिट किया जाता है।

इस बार की विशेषताएं

- ✓ पहली बार राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के अधिकारी CDSRE टीमों का हिस्सा होंगे।
- ✓ राज्य समुद्री पुलिस, तटरक्षक, कस्टम और मत्स्य विभाग से जुड़े कर्मचारी भी शामिल होंगे।
- ✓ भारतीय सेना और वायु सेना की भागीदारी इस बार बड़े स्तर पर होगी।
- ✓ सुरक्षा पर ध्यान
- ✓ इस वर्ष अभ्यास में मुख्य रूप से कोस्टल इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे पोर्ट्स, ऑयल रिग्स, सिंगल पॉइंट मूरिंग्स, केबल लैंडिंग पॉइंट्स और तटीय जनसंख्या की सुरक्षा पर ध्यान दिया जाएगा।

प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित:

तटीय सुरक्षा: अभ्यास का ध्यान प्रमुख तटीय संपत्तियों की सुरक्षा पर होगा जैसे कि:

- ✓ बंदरगाह
- ✓ तेल रिग्स
- ✓ सिंगल पॉइंट मूरिंग्स
- ✓ केबल लैंडिंग पॉइंट्स
- ✓ अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे

महत्व:

- ✓ इस संस्करण में कई रक्षा, सुरक्षा और सरकारी एजेंसियों के बीच सबसे उच्च स्तर की भागीदारी और सहयोग शामिल होगा।

43वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला / 43rd India International Trade Fair

43वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2024, 14 नवम्बर से भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्रारंभ हो गया।

मुख्य जानकारी:

- ✓ **कार्यक्रम:** 43वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (IITF)
- ✓ **उद्घाटन:** वाणिज्य और उद्योग मंत्री **पीयूष गोयल** ने 14 नवंबर को किया।
- ✓ **स्थान:** भारत मंडपम, नई दिल्ली
- ✓ **अवधि:** यह मेला **14 दिनों** तक चलेगा।
- ✓ **भाग लेने वाले देश:**
  - **चीन, मिस्र, ईरान, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, तुर्किये**, और **संयुक्त अरब अमीरात (UAE)**

मेला अवधि

- ✓ **14 से 18 नवंबर 2024:** मेला केवल **व्यापारियों** के लिए खुला रहेगा।
- ✓ **19 से 27 नवंबर 2024:** मेला **आम जनता** के लिए खुलेगा।
- ✓ भागीदार राज्य:- बिहार और उत्तर प्रदेश
- ✓ फोकस राज्य:- झारखंड

थीम: "विकसित भारत @2047"

इस वर्ष के भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले की थीम **"विकसित भारत @2047"** है।

- ✓ यह थीम भारत के **2047 तक आत्मनिर्भर, समृद्ध और सतत राष्ट्र** बनने के दृष्टिकोण को दर्शाती है।
- ✓ इसमें भारत की **सशक्त अर्थव्यवस्था, तकनीकी प्रगति**, और **सतत विकास** की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया है।
- ✓ यह भविष्य के भारत की **वैश्विक भूमिका और नई ऊंचाइयों** की झलक पेश करती है।

महत्वपूर्ण बिंदु

- ✓ व्यापारिक और आम जनता के लिए अलग-अलग दिनों की व्यवस्था।
- ✓ वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को विशेष सुविधा।
- ✓ टिकट खरीदने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए मेट्रो से करार।